मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–006

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.जे.वाई.-006 : गणित, ग्रहण, वेध एवं यन्त्रादि विचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों मे दिए गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

3×20=60

1. अयन से आप क्या समझते हैं ? अयन तथा ऋतु विमर्श का विस्तृत वर्णन कीजिए।

2. पठित अंश के आधार पर अंकगणित का विस्तार से वर्णन कीजिए।

3. बीजगणित के उद्‌भव एवं विकास का विस्तार से वर्णन कीजिए।

4. ग्रहण के फल और उसमें कृत्याकृत्य विचारों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

5. वैदिक गणित के सैद्धान्तिक स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. सूर्यग्रहण कब होता है ? पठित अंश के आधार पर सूर्यग्रहण के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

निर्देश : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

$4 \times 10 = 40$

1. गोलीय त्रिकोणमिति का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. चन्द्रग्रहण कब होता है ? संक्षेप में चन्द्रग्रहण के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

3. चन्द्र ृंगोन्नति के स्वरूप एवं सिद्धान्त का उल्लेख कीजिए।

4. संक्रान्ति विमर्श पर टिप्पणी लिखिए।

5. वध क्या है ? इसके महत्त्व और स्वरूप का वर्णन कीजिए।

6. यन्त्र क्या हैं ? यन्त्र वर्णन में अर्वाचीन यन्त्रों के महत्व का उल्लेख कीजिए।

7. पात विचार से आप क्या समझते हैं ? संक्षेप में वर्णन कीजिए।

8. भ–ग्रहयुति विचार क्या है ? सारांश रूप में वर्णन कीजिए ।